शोध कार्य हेतु साहित्य की समीक्षा

Badar Ara
Professor
Dept. of A.I.H. & Archaeology,
Patna University, Patna-800005
Mob-9431877688
Pre-Ph.D Course Work
Paper- **Research Methodology**

सभी सजीव प्राणियों में से केवल मानव ही एक ऐसा प्राणी है जो सदियों से एकत्र किए गए ज्ञान का उपयोग कर सकता है। मानवीय ज्ञान के तीन प्रकार होते हैं पहला ज्ञान को संचित करना, दूसरा ज्ञान का प्रसारण करना व तीसरा ज्ञान में वृद्धि करना । यह तथ्य शोध के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जो कि वास्तविकता के सामने आने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

साहित्य की समीक्षा का अर्थ

साहित्य की समीक्षा में दो शब्दों का समायोजन है- पहला साहित्य और दूसरा समीक्षा । साहित्य शब्द परंपरागत अर्थ से विभिन्न अर्थ प्रदान करता है यह भाषा के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है जैसे हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, आदि । इसी विषय वस्तु के अंतर्गत गद्य, पद्य, काव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी आदि आते हैं । अनुसंधान के क्षेत्र में साहित्य शब्द किसी विषय के अनुसंधान के विशेष क्षेत्र से ज्ञान की ओर संकेत करता है जिसके अंतर्गत सैद्धांतिक, व्यवहारिक और तथ्यात्मक शोध अध्ययन आते हैं । वही समीक्षा शब्द का अर्थ शोध से विशेष क्षेत्र के ज्ञान की व्यवस्था करना एवं ज्ञान को वितरित करके प्रस्तुत करना है कि उसके द्वारा किया गया अध्ययन क्षेत्र में योगदान होगा । साहित्य की समीक्षा का अर्थ अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा यह कार्य

सर्जनात्मक एवं आने वाला है क्योंकि शोध अध्ययन को युक्ति पूर्वक कथन प्रदान करने के लिए प्राप्त ज्ञान को अपने ढंग से एकत्र करना होता है।

साहित्य की परिभाषा- साहित्य की समीक्षा शब्दों को निम्नलिखित ढंग से परिभाषित किया गया है-

डब्ल्यू आर वर्ग के अनुसार "किसी भी क्षेत्र का साहित्य उसकी नीव को बनाता है जिसके ऊपर भविष्य का कार्य किया है। यदि हम साहित्य की समीक्षा द्वारा प्रदान किए गए ज्ञान की न्यू बनाने में असमर्थ होते हैं तो हमारा कार्य संभव है अब तो छपरा या उस कार्य की नकल मात्र ही होता है जो कि पहले ही किसी के द्वारा किया जा चुका है"।

"व्यवहारिक रूप में संपूर्ण मानव ज्ञान पुस्तकों और पुस्तकालयों में मिल सकता है। अन्य प्राणियों से भिन्न मानव को अतीत से प्राप्त ज्ञान को प्रत्येक के साथ नए ज्ञान के रूप में प्रारंभ द्वारा किए गए प्रयासों की सफलता को संभव बनाता है"।

साहित्यिक समीक्षा की आवश्यकता

साहित्य समीक्षा के निम्नलिखित कारणों से आवश्यकता है-

1. शोध कार्य की योजना बनाने में प्रारंभिक पदों में से एक रूपी को अनुरूप विशेष क्षेत्र के लिए किए गए शोध कार्य की समीक्षा करता है। इस शोध का गुणात्मक तथा मात्रात्मक विश्लेषण शोधकर्ता को एक दिशा का संकेत देता है।

2. प्रत्येक अनुसंधानकर्ता के लिए यह आवश्यक है कि वह दूसरों के द्वारा किए गए अपने समस्या के संबंधित साहित्य की सूचनाओं में भली-भांति अवगत हो। वास्तविक योजना बनाने और अध्ययन करने में अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यक समझा जाता है।

3. यह अध्ययन की समस्या को साधन प्रदान करता है। शोध की समस्या का चयन करने और पहचानने के लिए समानता प्रदान करता है। शोधकर्ता साहित्य की समीक्षा के आधार पर अपनी परिकल्पना बनाता है । यह अध्ययन के लिए आधार प्रदान करता है और अध्ययन के परिणामों और निष्कर्षों पर वाद विवाद किया जा सकता है।

साहित्य समीक्षा के उद्देश्य

साहित्य समीक्षा के शोध कार्य के लिए निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

1. यह सिद्धांत विचार व्यक्त जाएं अथवा परिकल्पना ए प्रदान करता है जो नई समस्या के चयन में उपयोगी हो सकते हैं ।

2. यह परिकल्पना के लिए साधन प्रदान करता है। शोधकर्ता प्राप्त अध्ययनों के आधार पर शोध परिकल्पनायें बना सकते हैं।

3. यह समस्या के समाधान के लिए उचित विधि प्रक्रिया पक्षियों के साधन और शांति का सुझाव देता है।

शोध साहित्य की समीक्षा के कार्य -

शोध साहित्य की समीक्षा के मुख्य रूप से पांच कार्य हैं-

1. विचारणीय शोध के लिए दिशानिर्देशों अथवा संदर्भों की अवधारणाओं को निर्मित करना ।

2. शोध विधियां तथा तथ्यों के संकलन व विश्लेषण को आधार प्रदान करना ।

3. समस्या क्षेत्र के शोध की वस्तु स्थिति को समझना ।

4. विचारणीय शोध की सफलता और निष्कर्षों की उपयोगिता अथवा महत्व की संभावना का आकलन करना ।

5. शोध की परिभाषा ओं कल्पनाओं सीमाओं और परिकल्पना ओं के विश्लेषण के लिए आवश्यक जानकारी देना

साहित्यिक समीक्षा की प्रक्रिया

1. सामान्यतया सुझाव दिया जाता है कि सामान्य कारण व संसाधनों अर्थात सैद्धांतिक कार्य और प्रकरणों का अर्थ और प्रकृति को अधिक स्पष्ट करने वाली पाठ्य पुस्तकों को पढ़कर अथवा विचार करके एक सामान्य अवधारणा बना लेनी चाहिए। पाठ्य पुस्तकों में प्राय समस्या का सैद्धांतिक स्वरूप प्राप्त होता है विशिष्ट क्षेत्र और चारों के विषय में ज्ञान उद्यान विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।
2. अपनी समस्या के प्रकृति के विषय में अत्यंत दृष्टि उत्पन्न करने के पश्चात शोधकर्ता को इस पत्र का सबसे अच्छा संदर्भ शोध की सूची पुस्तिका पुस्तकालय अनुसंधान का विश्वकोश पुस्तकालय अनुसंधान से समीक्षा आदि है ।
3. अनुसंधानकर्ता को आवश्यकता अनुसार पूरे नोट्स लेने चाहिए तथा अनावश्यक नोट्स देना व्यर्थ है यह ध्यान रखना चाहिए और उपयोगी व आवश्यक सामग्री नियमानुसार तैयारी करनी चाहिए और साधनों को एकत्र करना चाहिए

साहित्य समीक्षा से लाभ-

संबंधित साहित्य समीक्षा से शोधकर्ता को निम्नलिखित लाभ है

1. संबंधित साहित्य अनावश्यक पुनरावृति से बचता है जिसके फलस्वरूप शोध को करने समय शोधार्थी को सहायता मिलती है।

2. संबंधित साहित्य का ज्ञान सभी प्रकार से विज्ञानों तथा शास्त्रों में शोध कार्य का आधार है।

3. साहित्य समीक्षा शोध समस्या के चयन विश्लेषण तथा परिभाषा कारण सीमांकन में सहायक होता है ।

4. यह समस्या के अध्ययन से ज्ञान पैदा करता है ।

5. शोधकर्ता शोध कार्य करता है साहित्य समीक्षा का अध्ययन कर समय की बचत करता है।

6. यह समस्या के सीमांकन में सहायक होती है।

7. यह शोधकर्ता को पूर्व में ही शोध कार्य में आने वाली कठिनाइयों एवं त्रुटियों से अवगत कराती है।

8. यह पूर्व में हुए शोध कार्य की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करता है।

9. साहित्य समीक्षा करने के पश्चात शोध कार्य से संबंधित निर्णय एवं जानकारी संग्रह करने में सहायता प्राप्त होती है

10. अध्ययन की विधि में सुधार कर श्रम की बचत करता है तथा सुधार शोधकर्ता में आत्मविश्वास उत्पन्न न करता है